ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं लगावमुकत ट्रस्टी हूँ

अभ्यास

मैं आत्मा, सर्वशक्तिवान बाबा की सर्वशक्तियों की किरणों के नीचे, देह व देह के सम्बन्ध, देह के पदार्थों के लगाव से मुक्त हूँ... ट्रस्टीपन की स्थिति से डबल लाइट फरिश्ता बन विश्व को सर्वशक्तियों का सहयोग दे रही हूँ.

अव्यक्त इशारे

पहले अपनी देह के लगाव को खत्म करो तो सम्बन्ध और पदार्थ से लगाव आपेही खत्म हो जायेगा। फरिश्ता बनने के लिए पहले यह अभ्यास करो कि यह देह सेवा अर्थ है, अमानत है, मैं ट्रस्टी हूँ। फिर देखो फरिश्ता बनना कितना सहज लगता है।

MADHUBAN

अव्यक्ति साइलेन्स द्वारा डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव करो

पहले अपनी देह के लगाव को खत्म करो तो सम्बन्ध और पदार्थ से लगाव आपेही खत्म हो जायेगा। फरिश्ता बनने के लिए पहले यह अभ्यास करो कि यह देह सेवा अर्थ है, अमानत है, मैं ट्रस्टी हूँ। फिर देखो फरिश्ता बनना कितना सहज लगता है।

ब्रह्मा बाप समान
संपूर्णता की ओर नौवाँ कदम

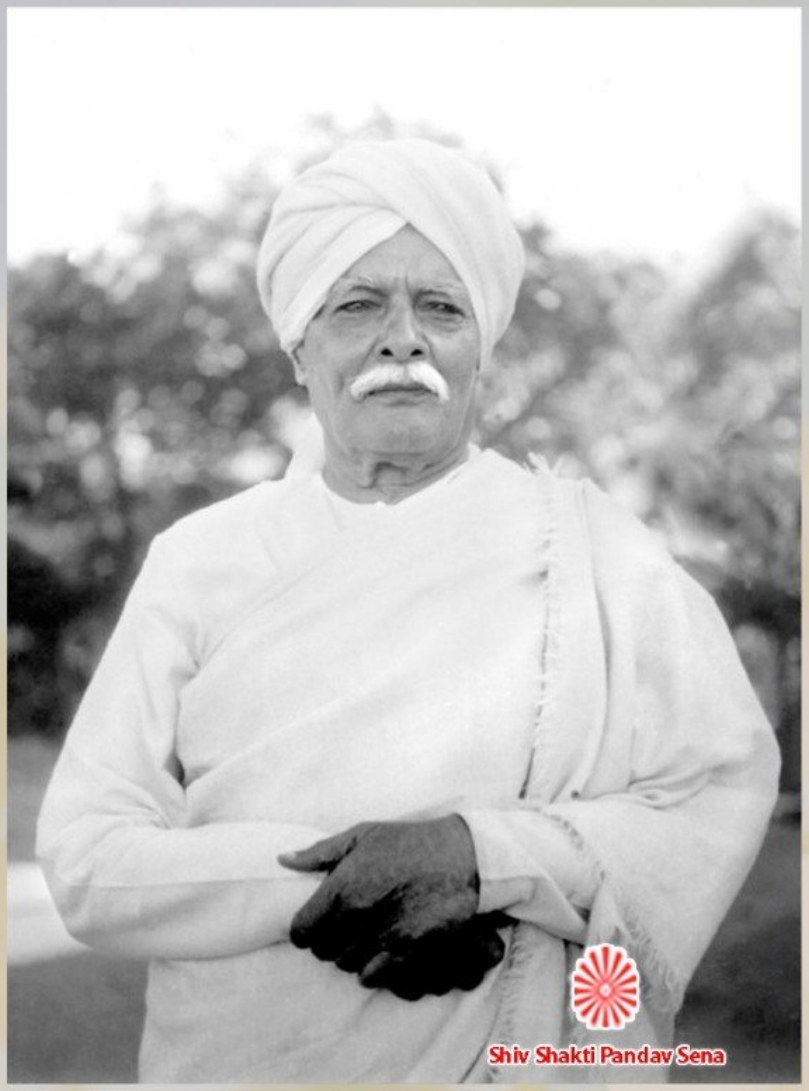

राजऋषि सो मर्यादा पुरूषोत्तम

प्रथम विश्वमहाराजन श्री नारायण की आत्मा के अंतिम जन्म में भी हर गुण, हर कला की झलक ब्रह्मा बाप की पर्सनैलिटी में रही। 'साधरणता में भी महानता' ब्रह्मा बाप के हर कर्म में दिखती थी। हर कर्म अलौकिकता से परिपूर्ण होता था। भविष्य की मर्यादा पुरूषोत्तम स्थिति को वर्तमान में अनुभव कराने का आधार है-
ब्रह्मा बाप का जीवन

CAROLINE JENSEN

संग से अपनी बहुत सम्भाल करनी है।

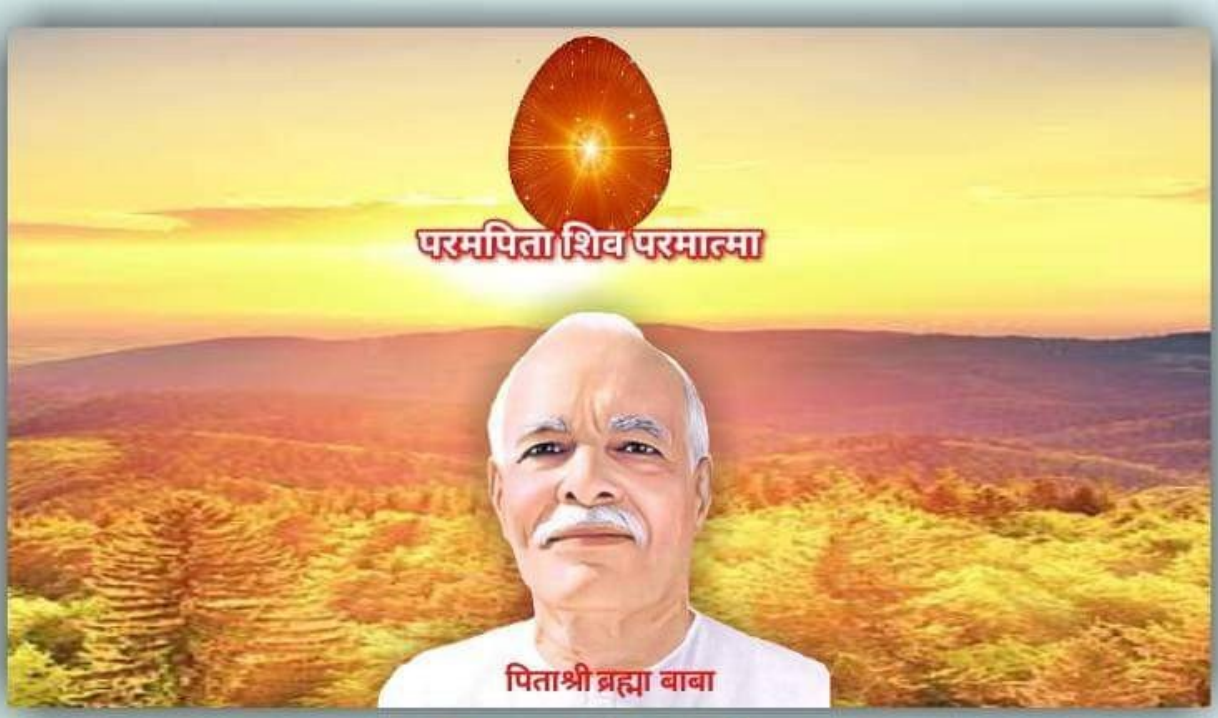

Om Shanti

श्रेष्ठ और शुभ वृत्ति

जो अपनी कमजोर वृत्तियों को मिटाकर शुभ और श्रेष्ठ वृत्ति धारण करने का व्रत लेते हैं, उन्हें यह सृष्टि भी श्रेष्ठ नज़र आती है। वृत्ति से दृष्टि और कृत्ति का भी कनेक्शन है। कोई भी अच्छी वा बुरी बात पहले वृत्ति में धारण होती है फिर वाणी और कर्म में आती है। वृत्ति श्रेष्ठ होना माना वाणी और कर्म स्वत: श्रेष्ठ होना। वृत्ति से ही वायब्रेशन, वायुमण्डल बनता है। श्रेष्ठ वृत्ति का व्रत धारण करने वाले विश्व परिवर्तक स्वत: बन जाते हैं

Join Brahma Kumaris

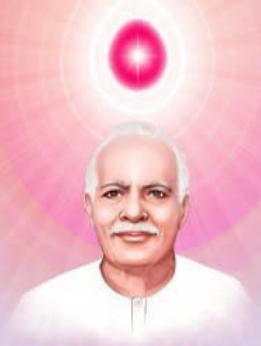

सम्पूर्णता की ओर

पहले अपनी देह के लगाव को खत्म करो तो सम्बन्ध और पदार्थ से लगाव आपेही खत्म हो जायेगा। फरिश्ता बनने के लिए पहले यह अभ्यास करो कि यह देह सेवा अर्थ है, अमानत है, मैं ट्रस्टी हूँ। फिर देखो फरिश्ता बनना कितना सहज लगता है।

If you are facing in the right direction, all you need to do is keep on walking.
Being Bliss
words can inspire the world
www.facebook.com/tobeingbliss

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org